

प्रदेश के और अधिक बांध-तालाब जोड़े जाएंगे, राष्ट्रीय परियोजना संभव

पीकेसी व ईआरसीपी की अब दिल्ली में बन रही नई डीपीआर

सुनील राजा | कोटा

बांधों के भरने के बाद नदियों के अतिरिक्त पानी का भी प्रदेश में ही उपयोग के उद्देश्य से बनी पार्वती कालीसिंह चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट पीकेसी-ईआरसीपी की डीपीआर में और बदलाव किया जा रहा है। राज्य सरकार नई डीपीआर दिल्ली में बनवा रही है। उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा बांध, तालाब मौसमी नदियां इससे लिंक हो जाएं। योजना पर राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण काम कर रहा है। वर्तमान प्रोजेक्ट से 90 बांध व तालाब जोड़े जा रहे

पहले चरण के दो पैकेज में हो सकता है बदलाव

नौनेरा बांध से चंबल नदी तक 6.5 किलोमीटर फीडर, चंबल नदी पर पानी ले जाने के लिए 2.280 मीटर लंबा एक्वाडक्ट क्रॉस करने के बाद मेज नदी तक लगभग 13 किलोमीटर फीडर बनेगा। तीसरे पैकेज में मेज व गलवा बैराज पर पंपहाउस व मेज नदी से गलवा डैम तक 28.5 किमी का फीडर बनेगा। गलवा से बीसलपुर तक 67 किमी व ईसरदा तक 31 किमी का फीडर बनेगा। इन कामों के टेंडर अभी नहीं हुए हैं। फाइनल डीपीआर में इसमें भी बदलाव हो सकता है।

थे, लेकिन अब संख्या 162 तक हो सकती है। नई डीपीआर केंद्रीय जल आयोग को मंजूरी के लिए भेजी जाएगी। संभव है कि परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर दिया जाए। तब अधिकांश अनुदान,

करीब 85 प्रतिशत तक केंद्र सरकार देगी। मौजूदा डीपीआर के मुताबिक पहले पैकेज के टेंडर होकर अवार्ड भी हो चुके हैं। 2266 करोड़ में दो डैम व नौनेरा बांध पर पंपिंग स्टेशन लगाया जाना है।

■ पीकेसी-ईआरसीपी की नई डीपीआर दिल्ली (एनडब्ल्यूडीए) में बनाई जा रही है। योजना को बेहतर बनाने के प्रयास हैं। अभी पहले चरण के एक पैकेज के टेंडर अवार्ड किए गए हैं। नई डीपीआर के बाद शेष कार्य के टेंडर होंगे हैं। नई डीपीआर के बारे में जो जानकारी, डिटेल, वास्तविक स्थिति हमसे चाही जाती है, वे उपलब्ध करवा देते हैं।

- राकेशकुमार गुप्ता, कार्यवाहक महानिदेशक, पीकेसी-ईआरसीपी